

मोड्यूल 13: सेप्सिस (जन्तुदोष) : निदान तथा कोट्रिमाॅक्सेजोल से उपचार

सत्र 2 : नवजात शिशुओं में सेप्सिस (जन्तुदोष) का उपचार

दिवस : 3

समयावधि : 1 घं. 30 मि.

प्रयोजन

आशाओं को नवजात शिशुओं में सेप्सिस (जन्तुदोष) के उपचार की जानकारी और योग्यता हासिल करवाना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशाओं में निम्न योग्यताएँ आएँगी –

1. मौखिक एन्टीबायोटिक का उचित खुराक तय करना।
2. शिशु को मुँह से एन्टीबायोटिक (कोट्रिमाॅक्सेजोल) देना।
3. माता-पिता को शिशु की बीमारी के बारे में समझाने, उनके उपचार के लिए स्वीकृति लेने और उन्हें घरेलू देखभाल के बारे में सलाह देने के लिए बातचीत की सफल विधियों का प्रयोग एवं प्रदर्शन।

सामग्री

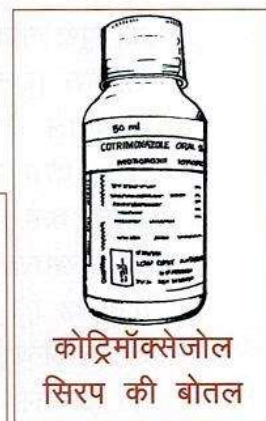
- अभ्यासपत्र 1: पूर्व सूचना देकर स्वीकृति लेने के लिये फॉर्म
- अभ्यासपत्र 2: केस अध्ययन
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: केस अध्ययन प्रश्नों के उत्तर
- अध्ययनपत्र 1: खतरे के लक्षण: जानकारी पत्र
- कोट्रिमाॅक्सेजोल सिरप की बोतलें
- 5 मि.ली. का चम्मच

तैयारी

- प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अभ्यासपत्र तथा अध्ययनपत्र की पर्याप्त प्रतियाँ बना लें।
- कोट्रिमाॅक्सेजोल सिरप की बोतलें तथा चम्मच तैयार रखें।



5 मि.ली. का चम्मच



कोट्रिमाॅक्सेजोल सिरप की बोतल

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति एवं चर्चा : सेप्सिस (जन्तुदोष) की देखभाल (20 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. पिछले सत्र को दोहराते हुए आशाओं से पूछें कि सेप्सिस (जन्तुदोष) क्या है और जन्म के पहले महीने में इसका निदान कैसे किया जाता है। जिन्होंने सही बताया, उनकी प्रशंसा करें और यदि पूरी बात नहीं बताई गई हो तो अन्य आशाओं से पूछकर पूरी जानकारी समूह को दें।
2. बताएँ कि नवजात शिशु के सेप्सिस (जन्तुदोष) की देखभाल के 4 भाग हैं :
 - शिशु की बीमारी के बारे में माता-पिता को बताना और शिशु को अस्पताल ले जाने की सलाह देना।

- यदि वे उसे अस्पताल ले जाना नहीं चाहते, तो शिशु की घर पर ही देखभाल की स्वीकृति लेना।
- उपचार करना (दवा की सही खुराक उतने दिनों तक देना जितना कि आवश्यक हो।)
 - माता-पिता को शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में सलाह देना और दिन में दो बार उसे घर पर देखने जाना। देखना कि उसकी ठीक-ठाक देखभाल की जा रही है।
 - आवश्यक फॉर्म भरना और लेखा-जोखा रखना।
- इस सत्र में हम पहले तीन भागों — **पूर्व सूचना देकर स्वीकृति लेना, कोट्रिमाॅक्सेजोल से उपचार करना और घरेलू देखभाल करना**, के बारे में चर्चा करेंगे। फॉर्मों, उनको भरने के बारे में जानकारी, और अभ्यास अगले सत्र में कराया जाएगा।
3. आशाओं से '**पूर्व सूचना देकर स्वीकृति लेने**' के बारे में पूछें। (इसका अर्थ है बीमारी की गंभीरता के बारे में माता-पिता को बताना और उन्हें, शिशु को अस्पताल ले जाने की सलाह देना। यदि वे शिशु को अस्पताल नहीं ले जा सकते या शिशु को अस्पताल ले जाना नहीं चाहते हो तो इसके संभावित खतरों के बारे में जानकारी देना और आशा द्वारा घर पर ही उपचार के लिए उनकी स्वीकृति लेना।) ऐसा करना क्यों आवश्यक है ? (जिससे कि माता-पिता किए जाने वाले उपचार के लाभ और खतरे, दोनों के बारे में समझ सकें, और अपनी इच्छा से इसके लिए तैयार हों)।
 4. सेप्सिस (जन्तुदोष) में माता-पिता को शिशु की हालत के बारे में बताना, और उपचार के लिए उनकी लिखित स्वीकृति लेना क्यों आवश्यक है ? आशाओं को इस बारे में आपस में विचार-विमर्श करने का पूरा मौका दें। उनके उत्तर सुनें। यदि आशा ठीक से नहीं बता पा रही हों, तो उन्हें बताएँ कि सेप्सिस (जन्तुदोष) से शिशु की जान को खतरा होता है और सेप्सिस (जन्तुदोष) के इलाज के लिए अस्पताल ले जाना आवश्यक है। (आशा बीमारी की गंभीरता के बारे में माता-पिता को बताएँ: इससे शिशु शिघ्र मर सकता है, इसलिए तुरंत अस्पताल ले जाने की सलाह दें। यदि वे अस्पताल न ले जाना चाहें, तो माता-पिता को पूर्व-सूचना देकर, स्वीकृति लेने वाले फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा ले और उन्हें खतरों और उपचार के बारे में पूरी तरह समझाकर शिशु की चिकित्सा घर पर ही करें)।
 5. याद रहे कि उपचार शुरू करने से पहले पूर्व सूचना देकर स्वीकृति लेने वाले फॉर्म पर माता या पिता अथवा अन्य अभिभावक के हस्ताक्षर ले लेने चाहिए। उन्हें यह फॉर्म दिखाएँ। सत्र 3 में उन्हें इसे भरने का अभ्यास करवाया जाएगा।
 6. **सेप्सिस (जन्तुदोष) का उपचार:** नवजात शिशु में सेप्सिस (जन्तुदोष) के उपचार के लिये कोट्रिमाॅक्सेजोल और जेन्टामाइसिन का प्रयोग किया जाता है। कोट्रिमाॅक्सेजोल खाने की दवाई है। जबकि जेन्टामाइसिन एक एन्टीबायोटिक है जिसकी सुई लगाई जाती है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में, आशा कोट्रिमाॅक्सेजोल से सेप्सिस का उपचार करना सीखेंगी।
घरोंका दौरा फॉर्म एक ऐसा साधन है जो आशाओं को सेप्सिस का सही निदान करने में मदद करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि जिन बच्चों को सेप्सिस है और उपचार की आवश्यकता है उन्हें ही कोट्रिमाॅक्सेजोल दवा मिले।
 7. बतायें कि कोट्रिमाॅक्सेजोल द्वारा इलाज कितने दिन चलेगा यह गर्भकाल के आधार पर निश्चित किया जाता है। नवजात शिशुओं के लिए खुराक है — 1/4 चम्मच कोट्रिमाॅक्सेजोल दिन में दो बार।
 - समय से पूर्व जन्मे शिशुओं को दवा 10 दिन तक दी जानी चाहिए।
 - ठीक समय पर जन्मे शिशुओं को दवा 7 दिन तक दी जानी चाहिए।

- माता-पिता द्वारा लिखित स्वीकृति दिए जाने के तुरंत बाद पहली खुराक दे दें। कोट्रिमॉक्सेजोल की दवा आशा द्वारा (या माँ द्वारा ठीक तरह समझाकर) सुबह और शाम खिलानी है। बतायें कि आशा दिन में दो बार शिशु के घर पर जाकर तब तक देखभाल करे जब तक कि इलाज पूरा न हो जाए, अर्थात् ठीक समय पर जन्मे शिशु के लिए 7 दिन तक और समय से पूर्व जन्मे शिशु के लिए 10 दिन तक।
8. बताएँ : आशा माता-पिता को अवश्य बताएँ कि जिस बच्चे का सेप्सिस (जन्तुदोष) का इलाज चल रहा है उसकी घरेलू देखभाल कैसे करनी है। अधिक खतरे वाले शिशुओं की घरेलू देखभाल के लिए भी इसी तरह की सलाह दी जाती है (अधिक खतरे वाले शिशुओं की स्वास्थ्य शिक्षा के लिए कार्ड का प्रयोग करें)। आशाओं से कहें कि वे अध्ययनपत्र 1 - 'खतरे के लक्षण: जानकारी पत्र' देखें। एक-एक करके खतरे के लक्षणों की समीक्षा करें। इस जानकारी पत्र को शिशु जन्म के बाद दूसरे दिन माता-पिता को देना है। आशा, खतरे के लक्षण: जानकारी पत्र की विषय-वस्तु, माता-पिता को समझाएँ। बताएँ कि शिशु में एक भी खतरे का लक्षण दिखे तो वे तुरंत आशा को बुलाएँ जो समयसे सही उपचार कर सकती है। संभव हो तो 'खतरे के लक्षण: जानकारी पत्र' नवजात शिशु के घर में दीवार पर चिपका दें या कैलेंडर की तरह टॉग दें, जिससे वह सब समय संदर्भ के लिए उपलब्ध हो। यह जानकारी पत्र माता-पिता के लिए प्रपत्र की पुस्तिका में दिया है।
 9. सेप्सिस (जन्तुदोष) से ग्रस्त शिशुओं की हालत बहुत नाजुक होती है और जल्दी ही बिगड़ सकती है। उनकी जान जितनी दवाओं द्वारा बचाई जा सकती है, उतनी ही अच्छी तरह देखभाल करके जैसे, ठीक से स्तनपान कराकर, और गर्म रखकर। सुनिश्चित करें कि माँ-
 - शिशु को गर्म रखें।
 - थोड़ी-थोड़ी देर में स्तनपान करावें (2-2 घंटे बाद)
 - सलाह नुसार दवा दें
 - शिशु को छूने से पहले हाथ धोएँ
 - यदि हालत बिगड़ने लगे, तो तुरंत आशा को बुलाएँ
 - अन्य संक्रमणों की देखभाल करें - जैसे नाभि (टुंडी), त्वचा, आँखें आदि।

प्रदर्शन तथा अभ्यास: कोट्रिमॉक्सेजोल देना (15 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. कोट्रिमॉक्सेजोल की खुराक के बारे में समझाएँ। इन्सुलिन सिरिज से 1.25 मि लि पानी नापकर एक चम्मच में लें और आशाओं को दिखाएँ। इससे 1/4 चम्मच दवा कितनी होती है इसका आशाओं को सही अनुमान होगा। 1/4 चम्मच सिरप (दवा) नापकर शिशु को सुबह-शाम देना है। आशाओं को कोट्रिमॉक्सेजोल की खुराक नापने का अभ्यास करने दें (चम्मच का प्रयोग कर के न की सिरिज का प्रयोग करके)।
2. प्रदर्शन के बाद किसी के कोई प्रश्न हों, तो उनका समाधान करें।

केस अध्ययन - छोटे समूह (20 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. आशाओं के 3-4 के समूह बनाएँ। अभ्यासपत्र 2: केस अध्ययन, बाँटें।
2. समूह में आशाएँ ठीक खुराक, घर के दौरे पर जाने और घरेलू देखभाल की सलाह देने के बारे में मिलकर बातचीत करें।

3. सभी छोटे समूहों को मिला दें और पूरे समूह के सदस्यों के साथ उत्तरों की चर्चा करें।
4. प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें।

बड़े समूह में भूमिका नाटक (30 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रत्येक समूह से केस अध्ययन के आधार पर, (अथवा स्वयं के अनुभव पर आधारित) एक छोटी भूमिका नाटक प्रस्तुत करने को कहें। उस नाटक में बताया जाए कि माता-पिता को कैसे समझाया जाए कि शिशु को सेप्सिस (जन्तुदोष) है, उन्हें स्वीकृति वाले फॉर्म पर हस्ताक्षर करना सिखाया जाए और शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में बताया जाए।
2. बातचीत की योग्यता में सुधार और दी जाने वाली जानकारी के बारे में रचनात्मक सलाह देते हुए भूमिका नाटक के बारे में चर्चा करें। यदि आशा बातचीत में अच्छी योग्यता का प्रदर्शन करें और जानकारी सही दें तो उनकी प्रशंसा करें।

सारांश : (30 मि.)

- एक आशा से पूछें कि पूर्व सूचना देकर लिखित स्वीकृति लेना क्यों आवश्यक है।
- सेप्सिस (जन्तुदोष) से ग्रस्त नवजात शिशु की समग्र देखभाल के बारे में बतायें – पूर्व सूचना देकर स्वीकृति लेना, उपचार के दौरान दो बार शिशु को देखने जाना, 7 से 10 दिन तक उपचार, माता-पिता को शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में सलाह, उचित फॉर्म भरना (अगले सत्र में बताया जाएगा)।
- कुछ गलतियाँ हों, तो सुधारें और महत्वपूर्ण जानकारी दोहराएँ।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
मौखिक एन्टीबायोटिक का उचित खुराक तय करना	केस अध्ययन	आशाओं ने समूहों में काम करते हुए लिखें केस अध्ययन के उत्तर
शिशु को मुँह से एन्टीबायोटिक (कोट्रिमाक्सोजोल) देना।	प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी द्वारा कोट्रिमाक्सोजोल की सही मात्रा मापने का प्रदर्शन।	आशाओं के अभ्यास का प्रशिक्षकों ने लिखा विवरण
माता-पिता को शिशु की बीमारी के बारे में समझाने, उनके उपचार के लिए स्वीकृति लेने और उन्हें घरेलू देखभाल के बारे में सलाह देने के लिए बातचीत की सफल विधियों का प्रयोग एवं प्रदर्शन।	भूमिका नाटक	आशाओं द्वारा किये गये भूमिका नाटक का प्रशिक्षक द्वारा किये गये निरीक्षण का विवरण